पाठयोजना - 1

छात्राध्यापक का नाम - प्रियंका बड़ा
शाला का नाम - पी०जी०उमाठे शा०कन्या उ०मा० विद्यालय शांति नगर, रायपुर
कक्षा - 10 वीं वर्ग - 'अ'
विषय - विज्ञान अवधि - 1:50-2:40 दिनाँक - 30/08/2019
प्रकरण - पाचन और उससे जुड़ी व्यवस्थाएँ

1. शिक्षणोपरान्त प्राप्त उद्देश्य :-
   i. पाचन और उससे जुड़ी व्यवस्थाएँ के बारे में जान सकेंगे।
   ii. बच्चे पाचन की क्रियाविधि के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे।
   iii. पाचन अंगों के नाम एवं उनके कार्य क्या होता है की जानकारी प्राप्त करेंगे।
   iv. पाचन में सहायक एन्जाइम के बारे में जान सकेंगे।

2. सहायक शिक्षण सामग्री :- चार्ट पेपर, मॉडल (अचलित), प्रोजेक्टर, powerpoint Presentation.

3. पूर्व अपेक्षित ज्ञान :- मनुष्य के शरीर का ढाँचा (मॉडल) से परिचित है।

4. प्रस्तावना के प्रश्न :-

क्र०	प्रस्तावना के बिन्दु	प्राप्त संभावित उत्तर
1.	पाचन क्रिया से क्या समझते है।	भोजन की क्रिया में मुख से आहारनली इसके बाद आमाशय में एकत्रित होकर और अधिक भोजन के अणु छिन्न या महीन हो जाता है जिसमें हमें शरीर को सुचारू रूप से चलाने के लिए ऊर्जा मिलती है।

2.	पाचन क्रिया के प्रमुख अंग	① मुख → ② ग्रसिका → ③ आहार नली → ④ आमाशय → ⑤ छोटी आँत → ⑥ बड़ी आँत → ⑦ मलद्वार
3.	लार में कौन सा एन्जाइम पाया जाता है।	टायलिन एन्जाइम
4.	पचा भोजन शरीर में कहाँ-कहाँ पहुँचता होगा और कैसे?	मुख में लार के द्वारा उसको लसलसा बनाया जाता है फिर ग्रसिका के द्वारा आहारनली से होते हुए आमाशय में एकत्रित हो जाता है। यह भी भोजन महीन होता है। छोटी आँत में जाता है बड़ी आत फिर मलद्वार से अपशिष्ट पदार्थ बाह

5. उद्देश्य कथन :- आज हम अपने शरीर के अन्दर होने वाली पाचन क्रिया एवं उससे जुड़ी व्यवस्थाओं का अध्ययन करेंगे। कैसे और कहाँ कौन सा एन्जाइम भोजन के पाचन में सहायता करते है।

6. शिक्षण विधि :- i) व्याख्यान विधि
ii) सह-प्रदर्शन विधि
iii) दृष्टांत विधि

7. शिक्षण प्रविधि :- a) प्रश्न प्रविधि
b) उदाहरण प्रविधि
c) परियोजना

8. शिक्षण सूत्र :- i) सरल से कठिन की ओर
ii) ज्ञात से अज्ञात की ओर

Scanned with CamScanner

क्र.	शिक्षा बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट क्रिया
1.	प्रस्तावना	भोजन हमारी शरीर के लिए के महत्वपूर्ण होता है। खाद्य पदार्थ, विशेष रूप से पाचन तंत्र मुँह से मलद्वार तक जैसी एक लंबी नली भोजन इस आहारनली होते हुये आमाशय में जाती है तथा जटिल अणु को सरल अणु में बदलते है और आंत के द्वारा तथा पाचक रस के सहायता भोजन का पाचन होता है।	सभी छात्र कथन को ध्यान पूर्वक सुनते है तथा पाचन क्रिया के बारे में कुछ प्रश्नों का उत्तर दिया गया।	पाचक रस के नाम श्यामपट्ट कार्य किया गया तथा रेखाचित्र नामांकित किया गया।
2.	पाचन क्रिया किसे कहते है?	पाचन क्रिया या पाचन अंग में मुंह, ग्रसनी, ग्रास-नली अर्थात् मुँह से मलद्वार तक जैसी एक लंबी नली है, जिसे आहारनली कहते है, भोजन आहारनली से हुये आमाशय में पाचन होता है और बड़े अणु से छोटे अणु टूटकर में टूट जाता है इसे पाचन क्रिया कहते है।	छात्र शांतिपूर्वक सुन रहे है समझ ना आने पर प्रश्न करने पर जबाव दिया गया।	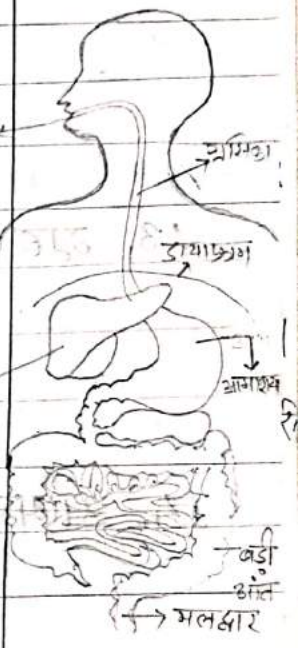
3.	पाचन तंत्र का कार्य क्या है?	(i) जटिल अणुओं को सरल अणुओं में बदलना (ii) आमाशय में उपस्थित एन्जाइम, पेप्सिन, और HCL होता है जो प्रोटीन का पाचन करने में सहायक आदि। (iii) छोटी आंत पचे हुये भोजन का अवशोषण करती है। (iv) अपचित भोजन या मल और गैसें मलद्वार से शरीर के बाहर निकलना	सभी छात्रों ने अपने कॉपी में पाचन तंत्र के कार्यों को ध्यान पूर्वक सुनकर लिखा	परिभाषा व अन्य विभिन्न प्रकरण तथा नाम के साथ कार्य को लिखने के लिए किया गया।

Scanned with CamScanner

10. सामान्यीकरण :- आज हम सभी ने पाचन तंत्र की क्रिया एवं उससे जुड़ी व्यवस्थाएँ के बारे में जाना एवं उसके हमारे जीवन में क्या महत्व है? का ज्ञान, जानने की कोशिश की। पाचन तंत्र से जुड़ी सभी व्यवस्था के बारे में सीखा।

11. शिक्षात्मक प्राप्त उद्देश्य आधारित प्रश्न :- ① पाचन से आप क्या समझते है?
② पाचन अंगों के नाम बताइए। ③ पाचन की क्रियाविधि बताइए।
④ पाचन की क्रिया में सहायक एन्जाइमों के नाम बताइए।

12. कक्षा कार्य :- (i) पाचन क्रिया कैसे होती है?
(ii) लार कैसा रहता है?
(iii) पाचन अंगो के नाम
(iv) पाचन तंत्र में सहायक एन्जाइम के नाम

13. गृह कार्य :- (i) भोजन खाने के बाद कहाँ-कहाँ जाता है।
(ii) लार भोजन को क्या करने का कार्य करता है?
(iii) बड़ी आँत से भोजन कहाँ जाता है?
(iv) आमाशय में क्या होता है?

14. अभिमत :- 1. मेंटर का अभिमत :- 1) सुनियोजित ढंग से पाठन किया गया।
2) कक्षा में पूर्णतः अनुशासन देखा गया।

Rajput
मेंटर के हस्ताक्षर

Priyanka
प्रशिक्षार्थी के हस्ताक्षर